व्यवसायिक प्रबंधन में स्नातक
(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य
2025–26

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2025 से 30th जून 2026

पंचम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

व्यवसायिक प्रबंधन में स्नातक
(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य
2025–26

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, आपको प्रत्येक अवधि में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य करना होगा ।

हम एक साथ **BCOE-142 और BMP-002** सत्रीय कार्य भेज रहे हैं ।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसम्बर 2025 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2025 तक जमा करवायें।
2. वे छात्र जो जून 2026 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2026 तक जमा करवाना होगा।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. ई. -142**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**प्रबंध लेखांकन**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ. ई.-142/टी. एम. ए./2025-26**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

1. प्रबंधन लेखांकन के उद्देश्यों और लाभों पर चर्चा कीजिए। **(10)**

2. दो वस्तुएँ X और Y एक विभाग में निर्मित की जाती हैं। उनके विनिर्देश (Specifications) दर्शाते हैं कि 1 घंटे में 2 X या 8 Y बनाए जा सकते हैं। जून 2019 के लिए बजट उत्पादन 200 X और 400 Y है। महीने के अंत में वास्तविक उत्पादन 250 X और 480 Y था, और इस उत्पादन में 160 घंटे का समय लगा। **(10)**

जून 2019 के लिए क्षमता अनुपात, गतिविधि अनुपात और दक्षता अनुपात निकालिए। यदि बजट कार्य दिवस 25 हों और वास्तविक कार्य दिवस 27 हों, तो कैलेंडर अनुपात भी ज्ञात कीजिए।

3. एक कंपनी ने मानक लागत लेखांकन पद्धति (Standard Costing) लागू करने का निर्णय लिया है। ऐसी पद्धति विकसित करने से पहले किन विशेष्ताओं पर विचार करना चाहिए? स्पष्ट कीजिए। **(10)**

4. निम्न जानकारी दी गई है: **(10)**

- किसी माह के लिए मानक समय : 4000 घंटे
- मानक वेतन दर : ₹2.25 प्रति घंटा
- नियोजित श्रमिकों की संख्या : 30
- प्रति माह औसत कार्य दिवस : 25
- एक श्रमिक द्वारा प्रतिदिन कार्य किए गए घंटे : 7
- कुल मासिक वेतन बिल : ₹13,125
- बिजली की विफलता के कारण निष्क्रिय समय : 100 घंटे

निम्नलिखित की गणना कीजिए:

क) श्रम लागत विचरण (Labour Cost Variance)

ख) श्रम दर विचरण (Labour Rate Variance)

ग़) श्रम दक्षता विचरण (Labour Efficiency Variance)

घ) श्रम निष्क्रिय समय विचरण (Labour Idle Time Variance)

5. उपरिव्यय से संबंधित विचरण विश्लेषण, सामग्री और श्रम से संबंधित विचरण विश्लेषण से किस प्रकार भिन्न है? **(10)**

खण्ड – ख

6. किन परिस्थितियों में पूर्ण लागत या अवशोषण लागत और सीमांत लागत के तहत तैयार की गई आय विवरण समान परिणाम देगी? **(6)**

7. मूल्य निर्धारण की विभिन्न विधियाँ क्या हैं? उपयुक्त उदाहरणों के साथ समझाइए। **(6)**

8. विक्रय बजट क्या है? इसे कैसे तैयार किया जाता है? **(6)**

9. निम्न जानकारी के आधार पर सम-विच्छेद बिंदु (Break-even Point) की गणना कीजिए: **(6)**

- विक्रय मूल्य = ₹ 3 प्रति इकाई
- परिवर्तनीय लागत = ₹ 2 प्रति इकाई
- स्थायी लागत = ₹ 90,000
- अनुमानित विक्रय = ₹ 1,00,000 इकाइयाँ

10. गतिविधि-आधारित लागत निर्धारण में शामिल स्तरों की व्याख्या कीजिए। **(6)**

खण्ड – ग

11. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए: **(10)**

क) लागत नियंत्रण और लागत में कटौती

ख) उत्तरदायित्व लेखांकन और पारंपरिक लागत लेखांकन

12. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: **(10)**

क) बजटीय नियंत्रण

ख) गुप्त संचय